Newspaper Clips
December 3, 2015

Navodaya Times ND 03/12/2015　　P-2

IIT दिल्ली में कल से पहला अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान मेला

■ हमारा मकसद आम लोगों में विज्ञान के प्रति ललक पैदा करना है: हर्षवर्धन

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (ब्यूरो) : देश का पहला अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान मेला 4 फरवरी से 8 फरवरी के बीच दिल्ली आईआईटी परिसर में लगने जा रहा है। इस मेला में देश व विदेश के हजारों युवा वैज्ञानिक शामिल होंगे। यहां देश भर के वैज्ञानिकों के आम लोगों के लिए किए गए अब तक के अनुसंधान कार्यों की प्रदर्शनी के साथ ही भविष्य की रूपरेखा भी खींची जाएगी। मेले में एक साथ एक ही जगह 2000 साइंस छात्र प्रयोग करके गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड भी बनायेंगे। केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री डॉ.हर्षवर्धन के अनुसार इस मेले का आयोजन लोगों में विज्ञान के प्रति रुझान बढ़ाने मे विशेष मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चार दिन चलने वाले इंडिया इंटरनैशनल साइंस फेस्टिवल में देश व विदेश से 4000 डेलीगेट भाग लेंगे। इस दौरान यहां 400 वैज्ञानिक शोधपत्र भी पढ़े जाएंगे।

Navbharat Times ND 03/12/2015   P-7

IIT दिल्ली : टॉप पैकेज छोड़े

पहले दो दिन में 50% इंटरनैशनल ऑफर्स ठुकराए स्टूडेंट्स ने

Katyayani.Upreti
@timesgroup.com

Surender Kumar

आईआईटी : देश की अन्य आईआईटी के साथ आईआईटी दिल्ली में भी प्लेसमेंट प्रोसेस शुरू हो चुकी है। शुरुआती रिजल्ट में यह नजर आ रहा है कि स्टूडेंट्स में डॉमेस्टिक कंपनियों को लेकर ज्यादा क्रेज है। पहले दो दिनों में 50 पर्सेंट इंटरनैशनल जॉब ऑफर्स के लिए स्टूडेंट्स ने इनकार किया है। ये सौ हजार डॉलर सालाना से ऊपर के सैलरी पैकेज हैं और इनमें दो करोड़ रुपये तक का सालाना पैकेज भी शामिल है। आईआईटी टीचर्स का कहना है कि यह ट्रेंड बताता है कि स्टूडेंट्स देश में काम करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

आईआईटी दिल्ली में प्लेसमेंट प्रोसेस 1 दिसंबर से शुरू हो चुका है और 19 दिसंबर तक चलेगा। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल यह प्लेसमेंट प्रोसेस करवाती है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के प्रभारी प्रो. दिनेश माथुर कहते हैं, पहले दिन सुबह 8 बजे से प्लेसमेंट प्रोसेस शुरू हुई और रात 2 बजे तक इंटरव्यू चलते रहे। इस दौरान स्टूडेंट्स को 175 ऑफर्स मिले। इसमें एनलिटिक्स, बैंक, आईटी, कंप्यूटर साइंस, सिविल सभी ट्रेड शामिल हैं। अभी दो दिन में ट्रेंड तो कहा नहीं जा सकता, मगर अब

तक कुछ स्टूडेंट्स ने इंटरनैशनल कंपनियों के बड़े ऑफर्स छोड़े हैं क्योंकि वे देश में काम करना चाहते हैं।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की इंडस्ट्रियल लाइजन ऑफिसर अनिश्या ओ. मदान बताती हैं, शुरुआती ट्रेंड यही है कि स्टूडेंट्स इंटरनैशनल के बजाय डॉमेस्टिक कंपनियों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। पहले दिन 8 में 4 स्टूडेंट्स ने इंटरनैशनल कंपनियों के टॉप सैलरी पैकेज छोड़े हैं, जो कि डॉमेस्टिक कंपनियों के पैकेज से काफी ज्यादा थे। ये पैकेज 100 हजार डॉलर सालाना से शुरू होते हैं और इससे काफी ऊपर तक जाते

हैं। शुरुआत आईटी कंपनियों के आने से होती है और इनमें इंटरनैशनल कंपनियां काफी होती हैं, इसलिए अभी यह ट्रेंड इस ट्रेड में दिखा है। एक सोर्स के मुताबिक, आईआईटी दिल्ली में अब तक आए 8 इंटरनैशनल ऑफर्स में दो करोड़ तक का पैकेज भी ठुकराया गया है।

हाई सैलरी मगर सुकून के साथ डॉमेस्टिक कंपनियों के लिए क्रेज की वजह टीचर्स स्टूडेंट्स की नई फिलॉसफी बताते हैं। टीचर्स का कहना है कि स्टूडेंट्स 'क्वॉलिटी ऑफ लाइफ' फंडे को अपना रहे हैं। साथ ही, टॉप सैलरी के साथ साथ क्वॉलिटी

आईआईटी दिल्ली में प्लेसमेंट प्रोसेस 1 दिसंबर से शुरू हो चुका है

बदलता ट्रेंड...

- शुरुआती ट्रेंड में डॉमेस्टिक कंपनियों में दिख रही है दिलचस्पी
- करोड़-दो करोड़ रुपये के पैकेज भी छोड़ चुके हैं कुछ स्टूडेंट्स
- क्वॉलिटी लाइफ की खातिर देश में ही काम करना चाहते हैं स्टूडेंट्स
- 19 दिसंबर तक चलेगा प्लेसमेंट, फिर 1 जनवरी से दूसरा राउंड

जॉब का माहौल गिनती के ही स्टूडेंट्स को मिलता है, इसलिए भी स्टूडेंट्स हाई सैलरी के पीछे भाग नहीं रहे हैं। अनिश्या मदान कहती हैं, यह ट्रेंड अभी का नहीं बल्कि इस पूरे साल देखने को मिला है। दरअसल, सैलरी के साथ सुकून भी जरूरी है और शायद यह स्टूडेंट्स समझ रहे हैं। वह अपने देश में फैमिली के नजदीक रहकर काम करना पसंद कर रहे हैं।

दिसंबर से शुरू हुई प्लेसमेंट मई 2016 तक चलेगी। दिसंबर में स्टूडेंट्स की करीबन आधे महीने की छुट्टियां होती हैं और वे अकैडमिक वर्क से फ्री होते हैं, इसलिए इस महीने प्लेसमेंट प्रेशर ज्यादा रहता है। इस महीने कंपनियां भी ज्यादा आती हैं और प्लेसमेंट भी ज्यादा होती हैं। इस महीने 19 दिसंबर तक प्लेसमेंट प्रोसेस चलेगी। अनिश्या बताती हैं, दिसंबर के लास्ट वीक क्रिसमस और न्यू ईयर की छुट्टियों की वजह से कंपनियां कम आती हैं। इसलिए हम दूसरा राउंड जनवरी के पहले हफ्ते से शुरू करते हैं।

आईआईटी में प्लेसमेंट सिस्टम सेंट्रलाइज्ड है यानी सभी डिपार्टमेंट इसमें शामिल होते हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल कैंपस में कॉमन विंडो से चलती है और हर ट्रेड की कंपनी यहां पहुंचती है।

Amar Ujala ND 03/12/2015   P-07

दो हजार बच्चे बनाएंगे विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली (ब्यूरो)। देश भर के दो हजार बच्चे एक साथ एक बड़े पंडाल में विज्ञान के प्रयोग कर विश्व रिकॉर्ड बनाएंगे। यह अद्भुत दृश्य अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में देखा जा सकेगा। यह आयोजन गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की देखरेख में होगा। अब तक 1300 बच्चों का एक साथ प्रयोग करने का विश्व रिकॉर्ड है। महोत्सव 4 से 8 दिसम्बर तक आईआईटी दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री डा. हर्षवर्धन ने प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महोत्सव में 240 स्टाल लगाए जाएंगे। इसमें 4 हजार प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। महोत्सव में 400 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

आईआईटी दिल्ली में प्रयोग करेंगे 2000 छात्र

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने लक्ष्य बनाया है कि एक ही स्थान पर सबसे अधिक विद्यार्थियों द्वारा प्रयोग करने का वह गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम करेगा और इसके लिए उसने दिल्ली आईआईटी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया है जिसमें 2000 विद्यार्थियों के इकट्ठा होने की संभावना है। यह कार्यक्रम भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान उत्सव का हिस्सा होगा जो चार दिसंबर से आठ दिसंबर तक चलेगा। रसायन शास्त्र में प्रयोग सात दिसंबर को आईआईटी दिल्ली में किया जाएगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्द्धन ने कहा कि इस समारोह का जोर विद्यार्थियों और किशोर नवोन्मेषकों पर होगा। करीब 400 शोधपत्र इस कार्यक्रम में पेश किउ जा सकते हैं। आयरलैंड में एक ही स्थान पर सबसे अधिक करीब 1300 विद्यार्थियों प्रयोग करने का रिकॉर्ड है।

Asian Age ND 03/12/2015   P-14

SHORT TAKES

Bid to create world record at IIT-Delhi

New Delhi: The ministry of science and technology is aiming at creating a Guinness World Record of the highest number of students conducting experiment at the same venue and has organised an event at IIT-Delhi where 2,000 students are expected to assemble. The event will be part of India International Science Festival, which will be held from from December 4 to 8. The experiment in chemistry will be done on December 7 at IIT-Delhi. "The main thrust of the event will be on students and young innovators. Some 400 research papers are likely to be presented in the event," science & technology minister Harsh Vardhan said. Ireland holds the record of around 1,300 students conducting an experiment at the same venue. "We have working as per the guidelines mentioned by the Guinness World Record authorities," the minister said.

The festival will host a Young Scientist Conference, Techno-Industrial Expo, Science Film Festival, industry-academia conclave and interactive workshops and informative sessions on various topics. The programme will also display innovations from students and young researchers, who have been funded by INSPRIE scheme of the ministry.

— *PTI*

Bungalows of IIT Delhi professors to make way for multi-storey buildings

Heena Kausar

■ heena.kausar@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Indian Institute of Technology, Delhi (IIT-D) is planning to raze down old buildings on its campus, including residential bungalows of professors, and build multi-storey structures in their place for residential and academic use.

The suggestion is part of a master plan to expand the 54-year-old campus to create additional structures for academic and residential facilities for over 12,000 students within 25-30 years. The master plan is yet to get final approval.

"There are residential bungalows and duplex for professors, which we are planning to dismantle and build multi-storey buildings. We want to expand, but land is limited so we will expand vertically without using much ground coverage area. Old hostels and academic buildings which are only two-three floors will also be changed into multi-storey ones in 25-30 years," KS Rao, dean infrastructure, told HT.

Rao said not all old buildings would be done away with at the institute, which spread over 300 acres and houses 4,000 students.

"We will not erase the history of the institute. A few buildings and bungalow will be left as they are," he said. Rao said the new buildings would be environment friendly and equipped with energy-saving devices and solar panels to generate electricity.

"At present the institute is generating 1MW of electricity and plans to generate 5MW more using solar panels," Rao said.

Rao said that the expansion would be done in a way that the green area ratio would be maintained as per standards and the campus would have construction in only 30% area.

IIT final yr student lands Rs 1.8-crore job @ Google

Isha.Jain@timesgroup.com

Lucknow: Son of entrepreneur parents, final-year computer science student of the Indian Institute of Technology (IIT) Patna, Lucknow boy Ashutosh Agarwal bagged a plum job with an annual package of Rs 1.80 crore at Google Inc.

Presently in his 7th semester, the 21-year-old, who finished a three-month internship at Google New York earlier this year went through another rigorous round of interviews, including telephonic, before he was absorbed by Google. He will work in one of the North American states, after he completes engineering. The placement is off-campus.

Ashutosh said the journey from Google Summer of Code (GSoC) to Google Inc has been exciting. "I had a great experience working there as an intern and the job offer is a dream come true. But this is certainly not the end, not the destination. I am very young and have a long way to go," Ashutosh told **TOI** over phone from Patna.

Delighted with Ashutosh's achievement, his parents, father Gopal Krishna Agarwal and mother Alka Agarwal said, "We are happy about his success. He is jovial, makes people happy and keeps cracking jokes among family and friends."

Prior to his internship, Ashutosh had another stint at Google. This was at the end of his 4th semester. "After I finished second

IITs will not reveal salary figures from this season

Country's premier technical institute, the IITs have decided not to reveal any pay package figures from this placement season following complaints of peer and parental pressure on students. "Disclosing salaries puts unnecessary pressure on students. It kickstarts peer pressure as well as parental and societal pressure. People forget that only very few of them actually get those fat pay packages of over a crore. The minimum and average salaries are much less," said Prof Sudhirkumar Barai, Chairman, Career Development Centre at IIT Kharagpur. PTI

year exams, I was trying to do something. Fortunately, I got opportunity at GSoC, a global programme that offers students stipends to write code for open source projects. For three months, I worked from home and added a new feature to an existing programming framework," he said.

After he completed his internship in August, Google offered him a full-time job. "Since it was off-campus placement, not many came to know. When I got the offer letter, my friends and I partied," said Ashutosh. An above average student, Ashutosh completed his schooling from Seth M R Jaipuria and secured 96.4% in class 10 and 95% in class XII.

Economic Times ND 03/12/2015   P-12

PLACEMENT SEASON GAINS MOMENTUM

IITs See 100% Rise in Startup Job Offers

Increase despite engineering schools undertaking much more stringent background checks to vet startup credentials

Startup Buzz Continues

- At **IIT-Kanpur**, around **80 startups** are coming this year, compared with **50 last year**, a **60% jump**

- At **IIT-Delhi**, over **20 new startups** are coming to the campus

- For **IIT-Roorkee**, the numbers have almost doubled, from **40 startups** last year to over **75**

- At **IIT-Guwahati**, startups rise **66%** to **32 companies**

- **IIT-Bombay** will see at least **15-20** more startups than last year

- At **IIT-Kanpur**, there is expected to be a **40%** rise in the number of students joining startups/ecommerce companies

Prachi Verma Dadhwal & Sreeradha D Basu

New Delhi/Mumbai: This placement season, the startup buzz at the Indian Institutes of Technology (IITs) continues unabated. The country's premier engineering schools are seeing a fresh surge in hiring from startups, including first-timers such as Wrig Nanosystems, PepperTap, Roadrunnr, Grofers, Rivigo, Inshorts and Nutanix Technology.

Several IITs, including Delhi, Varanasi, Bombay, Kanpur, Guwahati and Roorkee, are reporting an up to 100% rise in the number of startups coming to recruit, suggesting that recent layoffs may not deter graduates from signing on.

The rise in the numbers is despite the schools undertaking much more stringent background checks to vet startup credentials this year and several heavy recruiters from last year, including Housing.com and Zomato, either dropping out or being excluded.

At IIT-Kanpur, around 80 startups are coming compared with 50 last year. IIT-Delhi is seeing a rise of about 50%, with over 20 new startups heading for the campus this year. For IIT-Roorkee, the numbers have almost doubled, from 40 last year to over 75, while at IIT-Guwahati, the number is up 66% to 32

companies. At IIT-Bombay, there will be at least 15-20 more startups this season.

"We are expecting around 15-20% of the batch to bag a job in a startup/ecommerce company compared to about 10% of the batch last year," said a placement source. At IIT-Kanpur, there is expected to be a 40% rise in the number of students joining startups or ecommerce companies.

Anil Agarwal, professor in charge of training and placement at Varanasi (IIT Banaras Hindu University), said that the number of startups would double from last year.

ET reported last year that at least one in every nine students from the 2015 batch was set to join an ecommerce company or startup. At the time, Flipkart, Ola, Snapdeal and Housing.com accounted for around 600 hires at the top IITs.

Not factoring in the bigger ecommerce firms, the increase in the number of startups alone is substantial, considering that the IITs have been extra cautious this year. For the first time, some schools counseled students on the wisdom of opting for a strong company rather than a hefty pay package offered by a newbie with a weak revenue model. Before placements, IITs in Delhi, Bombay, Guwahati, Roorkee, Madras and Kanpur scrutinised business models of all startups and conducted background

checks on them.

Even so, the numbers have grown. Startups are especially keen on data scientists, product managers and business analysts in addition to the most common profiles such as software developers or coders and operations. The interest from startups is as strong as ever, said an IIT-Kanpur professor.

"Maybe the startups realise that they need premium talent or else they would also succumb like their counterparts," said a source at the IIT-Delhi placement cell.

According to a professor at IIT-Roorkee, the startups are eyeing a large pool of engineers for coding and analytics (data scientists). "Coding is key for startups to strengthen the technology backbone," he said.

Despite salaries offered by a few of startups being at par with many Day 1 companies, institutes were being careful. "We rejected this startup which had less than 10 employees but said that money wasn't a constraint for hiring. It was offering a package of Rs 25 lakh and negotiating for a Day 1 slot. We didn't give it to them," said a placement official at IIT-Guwahati.

The highest annual salary offered by a startup at Guwahati is ₹40 lakh. In other IITs, the rise in salaries offered by startups over the last year is in the range of 15-25%.

Several startups are paying up-

wards of Rs 20 lakh. According to IIT sources, Nutanix is offering a package of ₹27 lakh, Rivigo ₹24 lakh and CodeNation ₹24 lakh.

Peppertap, a first timer at the IITs, is planning to hire up to 30 students from Delhi and Bombay, said CEO Navnit Singh. The company is primarily looking for business analysts but is open to hiring for marketing and operations too. CarDekho.com, which hired 20 last year, is planning to take on as many as 60 this time.

Another first timer, Roadrunnr, is planning 35-40 offers in Madras, Roorkee, Guwahati and Kharagpur at a salary of ₹12 lakh each.

"Our company is about eight months old and as a new-age software company, we were looking for very analytical, very numbers-driven people with plenty of hustle and eagerness to learn. IITs we felt are the best bet," said Aneek Mukherjee, director of operations at the hyperlocal delivery company.

Last year, a few IITs had issues with CodeNation for not hiring as many students as originally anticipated. The institutes had felt that CodeNation had overstated hiring intentions. Anuja Arekar, who heads operations and human resources at CodeNation, said that while it had wanted to hire more, the problem was partly to do with slotting — Day 2 at some institutes and Day 3 or 4 at others.

Rains May Dampen Spirits at IIT-Madras

New Delhi: IIT-Madras students may lose out on good offers to other IITs in the country as Chennai continues to be in the grip of torrential rains, rendering its campus out of bounds, which has forced the institute to defer its placement process for the first time.

The engineering institute has rescheduled the placements to December 5 to allow the companies that could not make it to the campus on December 2-3 to participate in the process. These companies will now come to campus on December 5 as per their schedule on December 2, the second day of the ongoing placements season.

"This is an unprecedented incident but we had to take a decision to reschedule the placements from December 5," IIT Madras' placement in-charge Professor Babu Vishwanathan told **ET**.

He said so far the institute had been reaching out to all the HR heads of the companies that had lined up their requests for placement earlier.

—**Prachi Verma**

Amar Ujala ND 03/12/2015   P-11

जम्मू समेत छह नए आईआईटी को कैबिनेट ने दी मंजूरी

5 नए विज्ञान संस्थानों की लागत की रकम भी बढ़ाई

पिछले बजट में आंध्र, छत्तीसगढ़, गोवा, जम्मू, केरल कर्नाटक में आईआईटी खोलने का हुआ था एलान

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में छह नए आईआईटी शुरू करने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, जम्मू, केरल और कर्नाटक में नई आईआईटी शुरू करने का एलान वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पिछले बजट में किया था। कैबिनेट ने मंजूरी दी है कि जब तक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी 1961 में संशोधन नहीं होता तब तक ये नए आईआईटी संस्थान सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत काम करेंगे।

हर आईआईटी के गठन में 2015-16 से लेकर 2018-19 तक 1,411.80 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। शुरुआत में नए आईआईटी तीन साल के लिए अस्थायी कैंपस से काम करेंगे। उसके बाद चौथे साल स्थायी कैंपस से आईआईटी काम करेंगे। दूसरी तरफ केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पांच नए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस संस्थान यानी आईआईएसईआर के गठन के लिए लागत की रकम बढ़ा दी है। पहले इसके लिए 2500 करोड़ मंजूर किए थे। अब 4799 करोड़ रुपये मंजूर किए गए है। मोहाली, पुणे, भोपाल, कोलकाता और तिरुवनंतपुरम में यह संस्थान खोले जाने हैं।

आईआईटी में बदलेगा एडमिशन का पैटर्न

कानपुर (ब्यूरो)। आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी, आईएसएम धनबाद, सीएफटी, आईआईएसईआर में एडमिशन और उसकी संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) का पैटर्न अब अमेरिका की तरह होगा। ऑनलाइन एंट्रेंस टेस्ट कराया जाएगा। इसमें पास होने वाले स्टूडेंट्स का एप्टीट्यूड टेस्ट होगा।

कई संस्थानों के शिक्षकों, स्टूडेंटों से आपत्ति और सुझाव मांगे

इसमें टॉप 40 हजार स्टूडेंट्स को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। यह बदलाव सत्र 2016-17 से संभव है। इसी का नतीजा है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने पैटर्न में बदलाव की रिपोर्ट वेबसाइट www.jeech.ac.in पर उपलब्ध करा दी है। साथ ही कानपुर सहित देश की 18 आईआईटी, सीएफटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी के शिक्षकों, स्टूडेंटों से आपत्ति और सुझाव मांगे हैं।

Deccan Herald ND 03/12/2015   P-07

Cabinet approves funds for 6 IITs

NEW DELHI, DHNS: The Union Cabinet chaired by Prime Minister Narendra Modi Wednesday approved funds for setting up of six new Indian Institutes of Technology (IITs) in Karnataka, Andhra Pradesh, Chhattisgarh, Goa, Jammu and Kerala.

The Cabinet also gave its approval for operationalisation of these IITs initially by forming Societies under the Societies Registration Act, 1860, in order to give a legal status to them till the amendment for their incorporation in The Institutes of Technology Act, 1961, is enacted. Each new IIT will have an initial intake of 180 students

> **The total cost for running these IITs, including one in Karnataka, is Rs 1,411.80 crore**

in its first year from temporary/transit which would increase to 450 in the second year and to 928 (840 undergraduates, 80 postgraduates and 8 PhD) in the third year of their operation, an official statement said. The total cost for running these IITs is Rs 1,411.80 crore and will be incurred between 2015-16 and 2018-19, the statement said.

The new IITs will be operated from their temporary campuses for the initial period of three years before shifting into their permanent campuses in the fourth year. Each IIT will have a sanctioned strength of faculty members, with a faculty-student ratio of 1:10.

The Cabinet also approved the revised cost estimates to the tune of Rs 4,799 crore as against the originally approved Rs 2,500 crore, for setting up of five Indian Institutes of Science Education and Research in Kolkata, Pune, Mohali, Bhopal and Thiruvananthapuram.

TIMES RANKINGS

IISc Bangalore ranked 16th in emerging nations' varsity list

By Prashant K. Nanda
prashant.n@livemint.com
....
NEW DELHI

The Indian Institute of Science (IISc) Bangalore has climbed nine places to 16th spot in a list of the top 200 universities from 35 emerging nations, including the BRICS (Brazil, Russia, India, China and South Africa) countries.

IISc and Indian Institute of Technology (IIT) Bombay are the two scientific research and higher education institutions from India that are among the top 30 in the latest Times Higher Education (THE) BRICS and Emerging Economies Ranking 2016. THE is a London-based university ranking agency.

Overall, 16 Indian universities have found place in the top 200 list. "India takes 16 places in this year's ranking with the IISc making its debut in the top 20 (16th) and IIT Bombay, the top 30 (29th)," THE said in its study released on Wednesday.

IIT Madras (rank 36) has climbed eight places in the ranking compared to last year; its peer IIT-Delhi remained at rank 37. IIT Kharagpur (rank 45) rounds off the list of the top five Indian universities/schools.

"Top institutions including IITs have realized that despite the existing flaws in global rankings, they do influence positioning. So, they are now giving more attention to rankings," said R. Nagarajan, a professor at IIT Madras and adviser to the institute's alumni affairs office.

"IITs are now more focused and doing all that is needed to improve themselves in terms of education, research, consulatncy and efforts are on for interna-tionalization. So, eventually, it will show up in international rankings," Nagarajan added. .

With 39 institutions in the top 200 list, China, however, was the clear leader. Chinese institutions occupied the top 2 spots, and captured five positions in the top 10. Taiwan was a distant second with 24 universities in the top 200 and India is the third best represented country, THE said.

Peking University of China is the top university in this year's ranking among BRICS and emerging economies, followed by Tsinghua University. Lomonosov Moscow State University (Russia), University of Cape Town (South Africa) and National Taiwan University (Taiwan) round off the top five.

"It is good news for India that 16 of its institutions feature in this year's list of the best universities in the BRICS nations and emerging economies. However, India will have to work harder to compete with other developing nations, such as Russia, which have a higher proportion of institutions in the upper echelons of the table. India is the only BRICS nation without a university in the top 10," said Phil Baty, editor of THE World University Rankings.

Anil Sahasrabudhe, chairman of the All India Council for Technical Education, said India has already started working on a national ranking system, which will help its institutions do better in global rankings.

Karthick Sridhar, vice-chairman of Indian Centre for Academic Rankings and Excellence, said developing world-class universities requires commitment of money backed by a strong determination from the government.

"To create world-class capacity in research, resources must not only be abundant, they must also be allocated on the basis of scholarly merit, rather than on the basis of seniority or political influence," Sridhar added.

SCHOOLS OF EXCELLENCE
The THE's list of the top varsities in emerging nations

Top five universities	2016	2015	
Peking University (China)	1	1	◄►
Tsinghua University (China)	2	2	◄►
Lomonosov Moscow State University	3	5	▲
University of Cape Town	4	4	◄►
National Taiwan University	5	6	▲
Indian universities in top 50			
IISc Bangalore	16	25	▲
IIT Bombay	29	37 ·	▲
IIT Madras	36	44	▲
IIT Delhi	37	37	◄►
IIT Kharagpur	45	43	▼
IIT Roorkee	48	38	▼

Source: The Times Higher Education rankings 2016

NAVEEN KUMAR SAINI/MINT

Patents filed not enough, says DIPP Secy

BS REPORTER
New Delhi, 2 November

Businesses as well as government institutions need to step up filing patents to safeguard their intellectual property rights (IPR), said Amitabh Kant, secretary, Department of Industrial Policy and Promotion (DIPP), on Wednesday.

Speaking at a conference on IPR by the Confederation of Indian Industry (CII), Kant said he was concerned "domestic filing of patent applications have remained static at only 20 per cent of overall filings in the past few years".

He pointed towards government-supported research institutions such as the Indian Institutes of Technology (IIT), as well as premier government bodies such as Department of Science and Technology and Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) not filing patents on a regular basis.

The Controller General of Patents, Designs and Trade Marks (CGPDTM) under the DIPP is the highest body in the country supervising all aspects of patents, designs and trademarks.

Amitava Chakraborti, deputy controller of patents and designs, said lack of awareness remained the major problem for Indian companies, especially small and medium scale enterprises. According to him, the vast majority of patent applications received by the CGPDTM are from foreign businesses, which obtain patents for benefiting from technological, mechanical and human innovations achieved.

Among Indian applications, research bodies such as CSIR and Defence Research and Development Organisation (DRDO) dominate.

Millenium Post ND 03/12/2015   P-08

Revitalising India's higher education system

There is an urgent need to create a vibrant policy ecosystem for higher education in India, writes **Professor** C. Raj Kumar

As President Pranab Mukherjee rightly asserted, no country can aspire to become a sustainable superpower without becoming a knowledge powerhouse

The Indian higher education system commanded awe and respect in the ancient world. Important seats of learning like Nalanda and Takshashila attracted the best students and academics from across the globe. Unfortunately, over a period of time, our higher education system lost its global competitiveness. This is exemplified by the fact that not many Indian higher education institutions feature in the annual world university rankings like the Times Higher Education World University Rankings or the QS World University Rankings. This gradual decline in global competitiveness can be attributed to a multitude of factors. Let me list some of the more important concerns and the way to redress them.

First is the lack of incentives for research. The amount of funding that is currently available for research in Indian universities is meagre by global standards. Apart from increasing the quantum of funds -- and promoting specific research on the state of the Indian higher education system itself -- there is a need for significant reform in the overall policy and management framework of disbursing research grants.

For example, the existing framework to disburse grants is a multilayered and complex, leading to inordinate delays, frustration and loss of research focus among faculty members who are trying to secure these grants. A pro-active regulatory mechanism set up by ministries like MHRD can help mitigate these concerns. Further, there is the need to attract and retain faculty with good research skills. This will require a review of the current system of faculty recruitment, appraisal, assessment, promotions and rewards based on performance as measured through research contributions and publications.

Secondly, we do not have world-class training programmes for academic

Representational Image

administrators. High-quality education administration is one of the seriously ignored aspects of the Indian higher education system. As providers of relevant educational support services, academic administrators form the backbone of any educational institution, especially one that aspires to constantly improve the academic experience of its students and teachers. Indeed, a world-class university requires world-class faculty supported by a world-class administration. Unfortunately, there are no comprehensive training programmes for academic administrators in India who deal with different nuances of our higher education system.

Specifically, the lack of managerial training programmes for higher authorities in education administration has compromised the evolution of generic best practices in the sector. Institution-building has suffered and creativity has been stifled as the Indian higher education system continues to be driven by individual persona and the charm of education administrators instead of adherence to sustainable and institution-driven quality assurance mechanisms and innovative processes.

Thirdly, we need a more outward-looking approach. One of the strongest critiques of Indian higher education institutions is that they tend to get complacent with little success. Unique socio-political contexts cannot be used to justify the lack of sustained global competitiveness. There is a need for a renaissance in our attitude toward higher education. There is also a need to understand and contextualise global best practices for Indian conditions, for instance, in course design and pedagogy.

Indeed, international collaborations in the form of student exchanges, faculty exchanges, joint teaching, joint research, joint conferences, joint publications, joint executive education programmes, summer and winter schools and study-abroad programmes are ways to promote the global engagement of Indian higher education institutions.

Fourth, we have failed to appreciate inter-disciplinarity in higher education. There is a dearth of courses and programmes in India that offer inter-disciplinary perspectives. Considering the fact that most of our societal problems cannot be solved by experts from a single academic discipline, there is a

need for better coordination and synergy between experts from different academic disciplines to find sustainable solutions to the challenging problems faced by our country. This will make higher education relevant to both Indian and global society. Thus, specialised training in a particular academic discipline must be complemented by generic inter-disciplinary courses. The government should play a pro-active role in setting up and promoting universities offering inter-disciplinary courses in India.

Fifth, we seem to have a greater tolerance for mediocre institutional standards. A lot needs to be done by our institutions and regulators to restore transparency, coherence and confidence in the higher education system. At the institutional level, a code of self-regulation and self-restraint has to be adopted. Institutions have to lead by example, not only by promoting best-practices but also by kerbing malpractices. Higher standards of data-sharing and transparency have to be mandated at the policy level, along with empowering prospective and current students to compare institutions.

Although a few stand-alone institutes like the newly-established International Institute for Higher Education Research & Capacity Building (IIHEd) at O.P. Jindal Global University can play an important role in this arena, there is a need for more such institutes in the higher education sector, which provide constructive thought-leadership, policy inputs and subsequent action plans to implement them. Indeed, there is a need to create a vibrant policy eco-system on higher education in India. Only then can our higher education system be revitalised.   IANS

(Professor C. Raj Kumar, a Rhodes Scholar, is founding vice chancellor of O.P. Jindal Global University. The views expressed are strictly personal)

350 foreign academicians to teach in India

http://www.thehansindia.com/posts/index/2015-12-02/350-foreign-academicians-to-teach-in-India--190492

Kharagpur (WB): More than 350 academicians from 38 countries are coming to teach in 68 Indian institutes under the national GIAN (Global Initiative of Academic Networks) programme.

"Almost 60 per cent of the courses are for non-IIT institutions. These include UGC, state universities, central universities, AICTE affiliated engineering colleges and management institutions," IIT-Kgp director Prof P P Chakrabarti said.

The IIT has been selected as the national coordinator for collaborating with institutions like IITs, IIMs, IISc, NITs under GIAN.

More than 350 academicians from 38 countries are participating in this programme to teach 13 broad disciplines in 68 institutes, IIT officials said.The Ministry of Human Resource Development (MHRD) has allocated Rs 35 crore for the project during the current financial year.

Prof NicoVerdonschot from University of Twente, Netherlands, who will be teaching one of the two inaugural courses, at IIT Kharagpur said, "Indian level of higher education and quality of faculty is very high but have modest position. Hence Indian universities must reach out to international faculty for knowledge sharing and best-in-class progress".

MHRD's additional secretary R Subhramanyam, who was here yesterday, said the ministry is in the process to inter-link GIAN with projects like IMPRINT, National Digital Library. "MHRD will not control the courses to be taught and it is to be decided by the home institution proposing the course. Also MHRD is in favour of a dynamic variety in the approved courses ranging from science and technology to arts, social science, management," he said.

One million books, 100 institutes under National Digital Library

http://www.newsx.com/national/14273-one-million-books-100-institutes-under-national-digital-library

Kharagpur: The National Digital Library in 2016 will bring under its fold 100 institutes and roll out a collection of one million digitised books and journals in the first phase, according to an official.

"The first thing that will come in February is the National Digital Library (NDL) which will come with one million books and journals which will be used by students across the country," additional secretary for technical education in the human resource development ministry R Subrahmanyam, said here during the launch of Global Initiative of Academic Networks (GIAN) scheme on Monday.

The NDL will ensure "uniform high standards" of e-content free of cost on a single platform.

"It will have phased expansions and in the first phase 100-odd institutes will be brought under it," said the official.

Talking about the recently launched Impacting Research Innovation and Technology (IMPRINT) India programme, Subrahmanyam said the aim is to foster innovations that improve living standards of people.

IMPRINT is the first of its kind MHRD supported Pan-IIT + IISc joint initiative to address the major science and engineering challenges that India must address and has 10 focal domains such as sustainable urban design and water resources and river systems.

It is primarily a call for scientists within the country and they will come up research proposals under these 10 domains. We will fund them very liberally and at the end of five year period we expect innovations and more registering of patents, he said.